ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या-२२
दिनांक- शुक्रवार, १९ मार्च, २०२१

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 28.3 एवं 17.5 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 90 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 62 प्रतिशत, हवा की औसत गति 8.8 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 2.6 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 6.8 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 20.6 एवं दोपहर में 29.3 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(20–24 मार्च, 2021)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 20–24 मार्च, 2021 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में हल्के से मध्यम बादल आ सकते है। मौसम के शुष्क रहने का अनुमान है।
- अधिकतम तापमान तथा न्यूनतम तापमान में वृद्धि होने की संभावना है। अधिकतम तापमान 34 से 36 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। न्यूनतम तापमान 20 से 22 डिग्री सेल्सियस के आस–पास रह सकता है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 9 से 12 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से मुख्य रुप से पछिया हवा चलने की सम्भावना है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 55 से 65 प्रतिशत तथा दोपहर में 30 से 35 प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- शुष्क मौसम एवं बढ़ते तापमान को देखते हुए किसान भाई बसन्तकालीन मक्का, सूर्यमुखी, प्याज एवं गरमा सब्जियों जैसे भिन्डी, नेनुआ, करैला, लौकी (कद्दू), और खीरा की फसल में सिंचाई शाम के समय में करें।
- शुष्क मौसम एवं तापमान में वृद्धि होना थ्रिप्स कीट के लिए अनुकुल वातावरण है। ऐसी अवस्था (मार्च माह) में थ्रिप्स कीट की संख्या अपने चरम पर पहुँच जाती है। इनकी समय पर रोक–थाम नहीं होने से फसल में रोग–व्याधि आ जाती है एवं उपज में काफी कमी आती हैं। इसे देखते हुए प्याज उत्पादक कृषक बन्धु फसल में थ्रिप्स कीट की रोक–थाम प्राथमिकता समय पर करें। यह आकार में अतिसुक्ष्म होते हैं तथा पत्तियों की सतह पर चिपक कर रस चुसते है जिससे पत्तियों का ऊपरी हिस्सा टेढ़ा–मेढा हो जाता है। पत्तियों पर दाग सा दिखाई देता है जो बाद में हल्के सफेद हो जाते है। कीट का प्रकोप फसल में दिखने पर प्रोफेनोफॉस 50 ई0सी0 दवा का 1.0 मि0ली0 प्रति लीटर पानी या इम्डिाक्लोप्रिड दवा का 1.0 मी.ली. प्रति 4 लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव 10–15 दिनों के अन्तराल पर दो बार दवा बदल–बदल कर करें।
- ओल की रोपाई करें। रोपाई के लिए गजेन्द्र किस्म अनुषंसित है। प्रत्येक 0.5 किलोग्राम के कन्द की रोपनी के लिए दूरी 75ग75 से0 मी0 रखें। 0.5 किलोग्राम से कम वजन की कंद की रोपाई नहीं करे। वीज दर 80 क्विंटल प्रति हेक्टेयर की दर से रखें।
- रवी मक्का एवं पिछात गेहूँ की दाना बनने से दुध भरने की अवस्था वाली फसल में आवष्यक नमी हेतु सिंचाई करें। ध्यान दें कि, सिंचाई करते समय हवा की गति कम हों।
- लत्तर वाली सब्जियों जैसे नेनुआ, करैला, लौकी (कद्दू), और खीरा की छोटे–छोटे पौधों में लाल भृंग कीट की निगरानी करें। पौधों की प्रारंभिक अवस्था जो की फरवरी–मार्च माह के दौरान आता है, इस अवधि में कीट से फसलों को काफी नुकसान होता है। इस कीट के पीठ का रंग नारंगी लाल तथा अधर भाग का रंग काला होता है। इसके षिषु फसल की जड़ को काट देते है। व्यस्क कीट बड़े पौधों की पत्तियों एवं फुलों को हानी पहुचाते है। पत्तियाँ खा लेने की वजह से पौधे की बढ़वार रुक जाती है तथा कभी–कभी पौधे सुख जाते है। गाय के गोबर की राख में थोड़ा किरासन मिलाकर पौधों पर सुबह में भुरकाव करने से इस कीट का आक्रमण कम हो जाता है। अधिक नुकसान होने पर क्लोरोपायरीफास 2 प्रतिषत धूल दवा का 20 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से पौधों की जड़ों के पास मिट्टी में मिला देने से इस कीट षिषु नष्ट हो जातें है। पत्तियों पर डाइक्लोरवॉस 76 ई0सी0 का 1 मि0ली0 प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।
- गरमा मूंग तथा उरद की बुआई प्राथमिकता देकर करें। बुआई के पूर्व 20 किलोग्राम नेत्रजन, 45 किलोग्राम स्फूर, 20 किलोग्राम पोटाष तथा 20 किलोग्राम गंधक प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। मूंग के लिए पूसा विषाल, सम्राट, एस0एम0एल0–668, एच0यू0एम0–16 एवं सोना तथा उरद के लिए पंत उरद–19, पंत उरद–31, नवीन एवं उत्तरा किस्में बुआई के लिए अनुषंसित हैं। बुआई के दो दिन पूर्व बीज को कार्बेन्डाजीम 2.5 ग्राम प्रति किलो ग्राम की दर से शोधित करें। बुआई के ठीक पहले शोधित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर से उपचारित कर बुआई करें। बीजदर छोटे दानों के प्रभेदों हेतु 20–25 किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर तथा बड़े दानों के प्रभेदों हेतु 30–35 किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई की दूरी 30ग10 से0मी0 रखें। बुआई पूर्व मिट्टी में नमी की जाँच कर लें।
- इन दिनों आम के बगीचों में मंजर पूरी तरह आ चुका है। किसान भाई आम में मंजर वाली अवस्था से फल के मटर के दाने के बराबर होने की अवस्था के मध्य किसी प्रकार का कोई भी कृषि रसायण का प्रयोग नही करे। विकृत दिखने वाले मंजर को तोड़कर बाग से बाहर ले जाकर जला दें अथवा जमीन में गाड़ दें।
- बैगन की फसल में तना एवं फल छेदक कीट की निगरानी करें। इसके पिल्लू फल में घुसकर अन्दर से खाकर पूरी तरह फल को नष्ट कर देते हैं, जिससे प्रभावित फलों की बढ़वार रुक जाती है और वे खाने लायक नहीं रहते। कीट का प्रकोप दिखाई देने पर सर्वप्रथम कीट से क्षतिग्रस्त तना एवं फलों की तुराई कर नष्ट कर दें एवं उसके बाद स्पीनेसेड 48 ई0सी0/ 1 मि0ली0 प्रति 4 लीटर पानी की दर से या क्वीनालफॉस 1.5 मि0ली0 प्रति लीटर पानी की दर से घोलकर आसमान साफ रहने पर छिड़काव करें।
- दूधारु पशुओं को दिन में छायादार सुरक्षित स्थानो पर रखे तथा अधिक मात्रा में स्वच्छ पानी पिलायें।

आज का अधिकतम तापमानः 32.8 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.3 डिग्री अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः 18.9 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 2.6 डिग्री अधिक

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ0 ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी